# ५. (मध्यमा पूर्ण) विनित (पांचवा वर्ष) कथक

कुल अंक :- ४०० क्रियात्मक :- ३०० मौखिक शास्त्र :- ७०

नियत कार्य : ३० अंक - समय १ साल (१०० से १२० कला का प्रशिक्षण)

एसाइनमेन्ट : लेखित परीक्षा समय २-०० घंटे - क्रियात्मक परीक्षा समय - २० मीनीट

* **क्रियात्मक** :

अभ्यासक्रम के अनुसार (त्रिताल, झपताल, एवं एकताल का अभ्यास एवं अंको का वर्गीकरण)

१. शुद्ध नृत पक्ष - १७०
२. अभिनय पक्ष - ५०
३. अंग शुद्धि - १०
४. वेशभूषा - १०
५. प्रस्तुति प्रभाव - २०
६. मौखिक शास्त्र - ४० (पढन्त, मुद्रा, शीरोभेद)

नोंध : (१) गत वर्षो के अभ्यासक्रम में से भी पूछा जा सकता है ।
(२) तबले एवं लहरे की संगति आवश्यक ।
(३) सभी रचनाओंकी पढन्त अनिवार्य

## *क्रियात्मक*

* ताल त्रिताल

१. ठाट - तीन मुखडे
२. आमद - १
३. परनजुडी आमद - १
४. नटवरी चक्रदार तोडा - १
५. चक्रदार तोडे - २
६. चक्रदार परमेलू - १
७. नवहक्का - १
८. फरमाईशी चक्रदार - १
९. कवित्त / कविता - १
१०. बाँट (पल्टा) - कम से कम छः (६) प्रकार तिहाई सहित
११. गतनिकास - पैंजानिया (पायल) / कंगन

* झपताल :-

१. ठाट - २ मुखडे
२. आमद - १
३. सादे तोडे - १
४. चक्रदार तोडे - १
५. परन - १
६. चक्रदार परन - १
७. कमाली / फरमाईशी - १
८. कवित्त / कविता तोडा - १
९. बाँट / पल्टा (कम से कम चार प्रकार तिहाई सहित)

* रुपकताल:-

| | |
|---|---|
| १. लयकारी | - ठाह, दुगुन, चौगुन (गिनती, ठेके के बोल, तत्कार के बोल) |
| २. आमद | - १ |
| ३. तोडा | - २ |
| ४. परन | - १ |
| ५. चक्रदार | - १ |
| ६. तिहाई | - १ |

* अभिनय :-

१) कृष्ण वदना २) गतभाव - सीता स्वयंवर

* तराना :- कोई भी ताल में

* संयुक्त हस्त मुद्राएँ :-

सिर्फ क्रियात्मकता से दिखाना (अभिनय दर्पण के अनुसार) एवं उनके २ - २ प्रकार
चक्र, पाश, कीलक, सम्पुट, मत्स्य, कूर्म, वराह, गरुड, नागबंध, खट्वा, भेरुंड ।

* शिरोभेद के प्रकार एवं उनके उपयोग
* पढन्त : सभी रचनाओं की पढन्त आवश्यक है ।
* विगत वर्षो के अभ्यासक्रम में से भी पूछा जा सकता है ।

नोंध : तबले एवं हार्मोनियम की संगत आवश्यक है ।

## *लिखित शास्त्र*

१. भरतनाटयम्, मणिपुरी एवं कथकली नृत्य की जानकारी (प्रान्त, उत्पत्ति, प्रस्तुतिकरण (सिर्फनाम), भाषा, वाद्य एवं संगीत, वेशभूषा)
२. महाराष्ट्र, पंजाब तथा केरल के २ - २ लोकनृत्यों की जानकारी संक्षिप्तमें दिजीए ।
३. कृष्ण के नृत्यों की जानकारी ।
४. लास्य एवं तांडव नृत्य की जानकारी ।
५. अभिनय दर्पण की जानकारी ।
६. संक्षिप्त में जीवन परिचय : (१) पं. बिरजु महाराज, (२) श्रीमती कुमुदिनी लाखिया, (३) पं. सुन्दरलाल गंगाणी (४) गोपीकृष्ण
७. परिभाषा :- विगत वर्षो की सभी परिभाषाओं के साथ तराना, फरमाईशी, कमाली, नवहक्का, नटवरी बोल का तोडा ।
८. लिपिबद्ध करना :- हरेक सालमें गिनती, ठेके के बोल, तत्कार के बोल, (ठाह, दुगुन, चौगुन) लिपिबद्ध करना (२) सादे तोडे ।

## * नियत कार्य (Asignment) 30 गुण :

१. संयुक्त हस्त मुद्रा (विस्तार से) प्रयोग - (अभिनय दर्पण अनुसार)
२. शिरोभेद (विस्तार से) प्रयोग - (अभिनय दर्पण अनुसार)
३. अभिनय दर्पण.
४. पंडित बिरजू महाराज या पंडित सुंदरलाल गांगाणी
५. क्रियात्मक अभ्यासक्रममें की जाने वाली सभी रचनाओंकी परिभाषा या
६. कथकली नृत्य

## * नोंध :

उपर दिए गए विषयों में से किन्ही तीन विषयों पर गुरु के द्वारा शिष्यो को पेपर लिखने दिए जायेंगे और गुरुजीको उसे जाँच कर के ग्रेड देना है । वो जाँच किये हुए नियत कार्य क्रियात्मक परीक्षा लेने जो परीक्षक आये उसे देने होंगे । परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे.
क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक निरीक्षक नियत कार्य के अंग तय करेंगे ।

ए ग्रेड :- २५ से ३० अंक बी ग्रेड :- २० से २४ अंक सी ग्रेड :- १५ से १९ अंक